GYAAN GOSHTHI
CURIOSITY TO CLARITY

"श्री कृष्ण और द्रौपदी : राखी और रक्षा"

www.gyaangoshthi.com

www.youtube.com/gyaangoshthi

GYAAN GOSHTHI
CURIOSITY TO CLARITY

"श्री कृष्ण और द्रौपदी: राखी और रक्षा"

महाभारत के समय की बात है। राजसूय यज्ञ के दौरान भगवान श्रीकृष्ण ने शिशुपाल का वध किया। युद्ध के बाद उनके हाथ में चोट लग गई और रक्त बहने लगा।

www.gyaangoshthi.com

GYAAN GOSHTHI
CURIOSITY TO CLARITY

द्रौपदी, जो पांडवों की पत्नी और श्रीकृष्ण की प्रिय सखी थीं, तुरंत अपने वस्त्र का एक टुकड़ा फाड़कर श्रीकृष्ण के हाथ पर बाँध दिया। वह धागा न रक्षा सूत्र था, न विधिवत राखी—लेकिन उसमें प्रेम, चिंता और स्नेह की डोर थी।

www.gyaangoshthi.com

GYAAN GOSHTHI
CURIOSITY TO CLARITY

श्रीकृष्ण मुस्कुराए और बोले, "द्रौपदी, इस रक्षा के लिए मैं जीवन भर तुम्हारा ऋणी रहूँगा और तुम्हारा ऋण चुकाऊँगा।"

वर्षों बाद, जब द्रौपदी का राजदरबार में दु:शासन द्वारा अपमान किया जा रहा था और उनके वस्त्रहरण का प्रयास किया जा रहा था, तब द्रौपदी अत्यंत असहाय अवस्था में मदद के लिए पुकार रही थीं।

www.gyaangoshthi.com

GYAAN GOSHTHI
CURIOSITY TO CLARITY

परंतु कोई भी उनकी सहायता के लिए नहीं आया। द्रौपदी हाथ जोड़कर रो पड़ी और श्रीकृष्ण से सहायता की याचना की।

द्रौपदी की पुकार सुनकर श्रीकृष्ण तुरंत सभाभवन में पहुँचे और द्रौपदी पर वस्त्रों की वर्षा करके उसके सम्मान की रक्षा की। इस प्रकार, श्रीकृष्ण द्वारा वस्त्र देकर द्रौपदी के सम्मान की रक्षा की गई।

www.gyaangoshthi.com

GYAAN GOSHTHI
CURIOSITY TO CLARITY

यह घटना रक्षाबंधन (राखी) से प्रेरित सच्चे रिश्ते की रक्षा थी। श्रीकृष्ण ने अपना ऋण चुकाया और अपनी बहन की रक्षा के लिए एक भाई का कर्तव्य निभाया। रक्षाबंधन का महत्व महाभारत काल से चला आ रहा है.

और तभी से श्रावण पूर्णिमा के दिन रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाने लगा।

www.gyaangoshthi.com